श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

नई रेलवे
नई दिल्ली

(2014 - मार्च, 2024)

देश को गति रेल से प्रगति भी रेल से

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

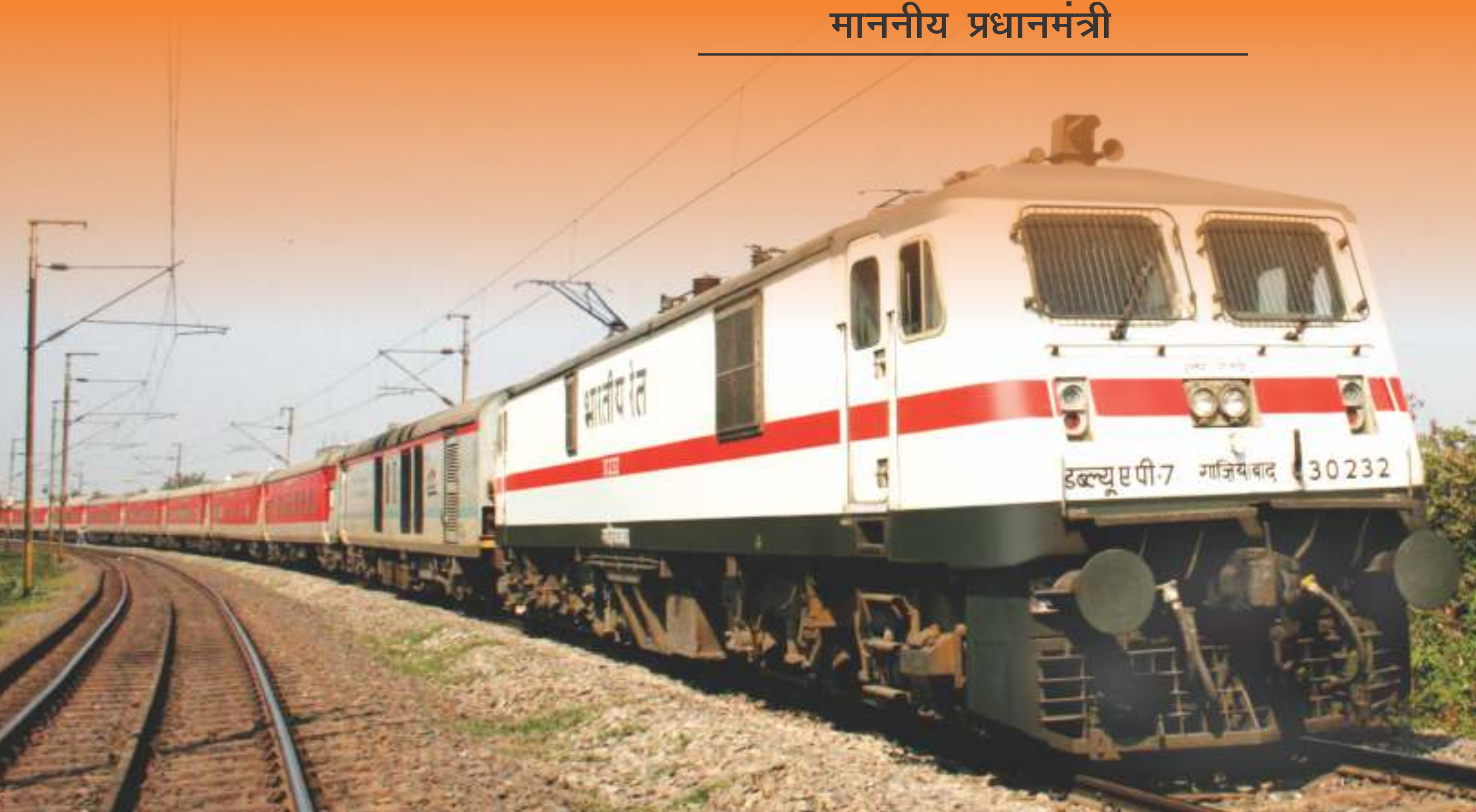

पूंजी निवेश

- ❖ 2009–14 की तुलना में 2014–24 के दौरान दिल्ली में रेल नेटवर्क में आठ गुना से भी अधिक निवेश

औसत वार्षिक बजट परिव्यय		
2009 - 14	2014 - 24	% वृद्धि
₹ 96 करोड़	₹ 2477 करोड़	2480%

- ❖ रेलवे का औसत वार्षिक परिव्यय दिल्ली में 2480% बढ़ा

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

- ❖ ₹ 3,490 करोड़ की कुल लागत के साथ नई रेल लाईन/दोहरीकरण की 5 परियोजनाऐं जिनकी औसत लम्बाई लगभग 294 कि.मी. है

नई लाईन परियोजनाएं

- ❖ दिल्ली – सोहना – नुँह – फ़िरोज़पुर – झिरका – अलवर खण्ड (104 कि.मी..) – लागत ₹ 1,239 करोड़
- ❖ लाइन की कुल लम्बाई 104 कि.मी.
- ❖ प्रमुख स्टेशन – दिल्ली, सोहना, नुँह, फ़िरोज़पुर, झिरका एवं अलवर

ट्रैक रिलेइंग ट्रेन (टीआरटी)

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

दोहरीकरण परियोजनाएं

- नई दिल्ली – तिलक ब्रिज – पांचवीं एवं छठी लाइन (3 कि.मी.) – लागत ₹ 137 करोड़ – पूर्ण
- दया बस्ती – ग्रेड सेपरेटर (3 कि.मी.) – लागत ₹ 196 करोड़
- आनन्द विहार – तिलक ब्रिज – तीसरी एवं चौथी लाइन (10 कि.मी.) – लागत ₹ 418 करोड़
- दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ सिटी–टापरी–सहारनपुर (देवबंद–टापरी) बाईपास सेक्शन (27.66 कि.मी.) – लागत ₹ 1,500 करोड़

दिल्ली - सहारनपुर सेक्शन पर नई लाइन

दया बस्ती रेलवे स्टेशन

आधारभूत संरचनाओं के विकास पर बल

विद्युतीकरण

लाभ

- ❖ रेलगाड़ियों की गति में वृद्धि
- ❖ पर्यावरण अनुकूल
- ❖ ईंधन की बचत और ऊर्जा लागत में कमी

ओवरहेड तार लगाना

वर्ष 2014-24 के दौरान

- ❖ 100% विद्युतीकरण
- ❖ पूर्ण दिल्ली का विद्युतीकरण किया जा रहा है

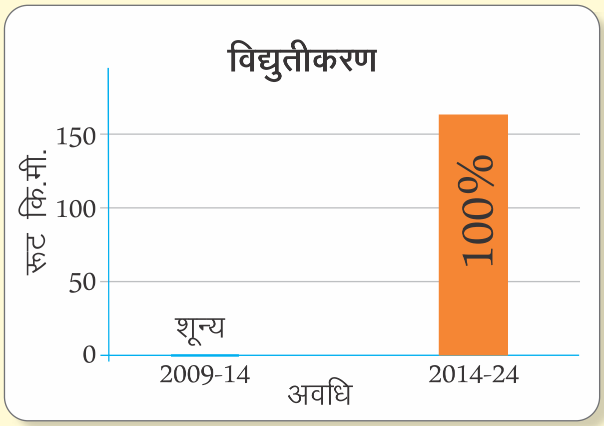

प्रमुख बुनियादी ढाचे का कार्य पूर्ण

रोड ओवर ब्रिज (आर.ओ.बी.) व रोड अन्डर ब्रिज (आर.यू.बी.)

लाभ

- ❖ बाधारहित सड़क यातायात एवं सुरक्षित आवागमन
- ❖ रेलगाड़ियों की गति एवं सुरक्षा सुधार

वर्ष 2009-14 के दौरान

- ❖ 2 रोड ओवर ब्रिज (आर.ओ.बी.) एवं 2 रोड अन्डर ब्रिज

वर्ष 2014-24 के दौरान

- ❖ 2 रोड ओवर ब्रिज (आर.यू.बी.) एवं 8 रोड अन्डर ब्रिज
- ❖ एक फुटवोवर ब्रिज (FOB) हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर निर्माण
- ❖ जल पुनर्चक्रण संयंत्र स्थापित किया गया

स्टेशन	रीसाइकलिंग प्लांट की सं.
नई दिल्ली	02
हज़रत निज़ामुद्दीन	01
आनन्द विहार	01

क्षमता–विस्तार

ब्रिजों का निर्माण

- ❖ वर्तमान लोहे के पुल पर रेलगाड़ियों के आवागमन के दबाव को कम करने के लिए 137 करोड़ रुपये की लागत से यमुना नदी के ऊपर नये ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है।
- ❖ दिल्ली स्टेशन पर 1 जल संचयन संयंत्र लगाया गया

लोहे के पुल के अलावा यमुना के ऊपर नया ब्रिज निर्मित किया जा रहा है

वर्कशॉप

- ❖ ₹ 11 करोड़ की लागत से गाजियाबाद शेड की कुल क्षमता का विस्तार (175 से 200 इंजन तक)।

गाजियाबाद लोको शेड

नई सेमी हाई स्पीड ट्रेनों का शुभारम्भ

वन्दे भारत एक्सप्रेसः नई दिल्ली – वाराणसी

- भारत का पहला सेमी – हाई स्पीड ट्रेन सेट जिसे इन्टीग्रल कोच फैक्टरी (आई.सी.एफ.) चेन्नई द्वारा मेक इन इंडिया के तहत 18 महीने के रिकार्ड समय में बनाया गया

वन्दे भारत एक्सप्रेसः नई दिल्ली – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा

- स्वदेशी रूप से विकसित दूसरी सेमी हाई स्पीड एक्सप्रेस ट्रेन

वन्दे भारत एक्सप्रेसः ऊना हिमाचल – नई दिल्ली

- तीसरी देश में विकसित सेमी हाई स्पीड एक्सप्रेस ट्रेन

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, नई दिल्ली - वाराणसी वन्दे भारत एक्सप्रेस को नई दिल्ली से हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए

माननीय प्रधानमंत्री ने ऊना-हिमाचल में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के कोच का निरीक्षण किया

माननीय प्रधानमंत्री वंदे भारत एक्सप्रेस के भीतर यात्रा का आनंद ले रहे यात्रियों का हाथ हिलाकर अभिवादन कर रहे हैं

यात्री सुरक्षा

- ❖ भारतीय रेल भारत सरकार की पहल ''देखो अपना देश'' और ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के अनुपालन में स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन चलाने के लिए तैयार है
- ❖ भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन, भारत सरकार के विजन ''देखो अपना देश'' और ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेल की एक पहल है
- ❖ अत्याधुनिक डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन में दो फाइन डाइनिंग रेस्तरा, एक आधुनिक किचन, शॉवर क्यूबिकल्स आदि सहित अनेक विशेषताएं हैं
- ❖ थीम आधारित सर्किट पर टूरिस्ट ट्रेन के परिचालन के क्रम में भारतीय रेल अब भारत में तीर्थस्थल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन का परिचालन कर रहा है
- ❖ आईआरसीटीसी ने ग्राहकों को ईएमआई भुगतान विकल्प प्रदान करने के लिए पेटीएम और राजोरपे पेमेंट गेटव के साथ समझौता किया है

यात्री सुविधाएं

- नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हज़रत निज़ामुद्दीन और दिल्ली सराय रोहिल्ला में 38 एस्केलेटर लगाए गये
- नई दिल्ली, हज़रत निज़ामुद्दीन, दिल्ली सराय रोहिल्ला में 31 लिफ्टें लगाई गई

स्टेशन का री-डेवलेपमेंट

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की प्रास्तावित बिल्डिंग

दिल्ली सफदर जंग रेलवे स्टेशन की प्रास्तावित बिल्डिंग

यात्री सुविधाएं

- ❖ नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, दिल्ली कैंट, दिल्ली सराय रोहिल्ला, हजरत निज़ामुद्दीन, खलीलपुर और इंछापुरी रेलवे स्टेशनों पर नए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण, मरम्मत एवं विस्तार
- ❖ नांगलोई, दिल्ली जंक्शन (दूसरा प्रवेश द्वार) हजरत निज़ामुद्दीन, शकूरबस्ती, दिल्ली सराय रोहिल्ला, नरेला और बादली रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग–सह–सर्कुलेटिंग एरिया का सुधार
- ❖ पटेल नगर, आदर्श नगर, आनन्द विहार, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली किशनगंज, दया बस्ती, नरेला, बादली, शकूरबस्ती और दिल्ली शाहदरा रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफार्म सतह का नवीनीकरण
- ❖ सांसद निधि द्वारा दिल्ली जंक्शन, नई दिल्ली, आदर्श नगर दिल्ली, दिल्ली किशनगंज, सब्जी मंडी, दिल्ली शाहदरा, दिल्ली कैंट और आनन्द विहार रेलवे स्टेशनों पर 957 कुर्सियों का प्रावधान
- ❖ सराय रोहिल्ला, दिल्ली छावनी , आदर्श नगर और दिल्ली किशनगंज रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉम भेड का निर्माण हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर नए फुटओवर ब्रिज की शुरूआत 2022–23 के दौरान
- ❖ 54 सी सी टी बी कैमरो C 32- नई दिल्ली (32– नई दिल्ली 6 दिल्ली जक्शन और 16 हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर सुरक्षा की दृष्टि से एस्कलेटरो के समीप लगाए गए।
- ❖ दिल्ली सदर बजार स्कास्र ब्रजावासन होलम्बी कलां लाजपत नगर सरोजनी नगर एंव सेवा नगर स्टशन पर जी पी एस पी घडिया लगाई गई

माननीय पूर्व रेल राज्य मंत्री, श्री मनोज सिन्हा और सांसद, श्री रमेश बिधुड़ी, द्वारा हरकेश नगर, नई दिल्ली में नवनिर्मित पैदल ऊपरगामी पुल (एफ.ओ.बी.) का उद्घाटन

माल लदान

- आनन्द विहार में ₹ 152 करोड़ की लागत से नई टर्मिनल बिल्डिंग तथा ₹ 126 करोड़ की लागत से नये कोचिंग टर्मिनल फेज-II का विकास
- बिजवासन में ₹ 226 करोड़ की लागत से फ्रेट एवं कोचिंग टर्मिनल के विकास के लिए भूमि का अधिग्रहण
- बिजवासन में ₹ 92 करोड़ की लागत से कोचिंग/फ्रेट हैंडलिंग टर्मिनल का निर्माण
- होलम्बी कलां में ₹ 125 करोड़ की लागत से विश्वस्तरीय फ्रेट टर्मिनल के विकास के लिए भूमि का अधिग्रहण
- शकूरबस्ती में ₹ 111 करोड़ की लागत से पुराने मीटर गेज एरिया में कोचिंग टर्मिनल का निर्माण
- तिलक ब्रिज–सब्जी मंडी, दिल्ली सराय रोहिल्ला, शकूरबस्ती, गाज़ियाबाद, हज़रत निज़ामुद्दीन और तुगलकाबाद में ₹ 120 करोड़ की लागत से अतिरिक्त ट्रेन हैंडलिंग सुविधा का विकास

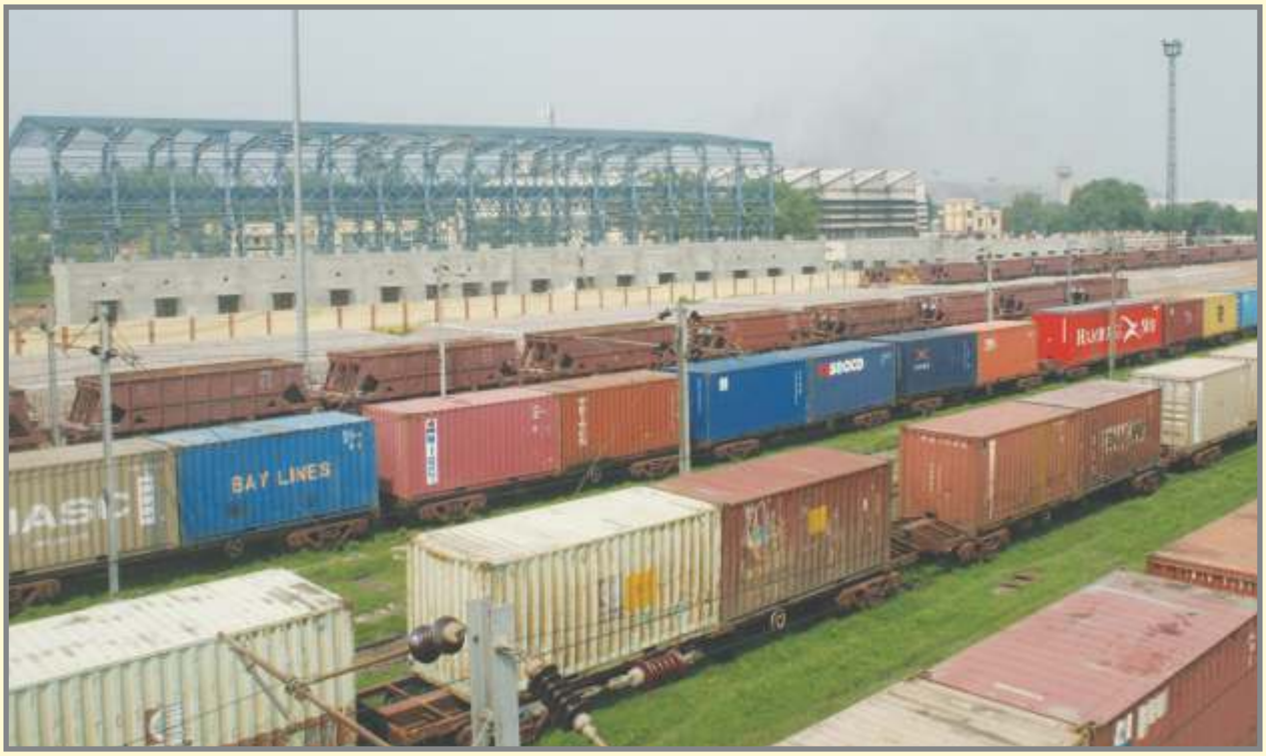

फ्रेट टर्मिनल

डिजिटल इंडिया

Digital India
Power To Empower

तेज़ एवं मुफ्त वाई–फाई

- डिजिटल इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए हजरत निज़ामुद्दीन, आनन्द विहार टर्मिनल, नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, दिल्ली शाहदरा, दिल्ली कैंट, दिल्ली सराय रोहिल्ला, आदर्श नगर दिल्ली और घेवरा रेलवे स्टेशनों पर मुफ्त वाई–फाई सुविधा उपलब्ध

डिजिटल ट्रांजैक्शन

- 20 प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें उपलब्ध कराई गई
- टिकट काउंटरों पर BHIM, Rupay डेबिट कार्ड, ई–वॉलेट आदि के द्वारा कैशलेस ट्रांजैक्शन की सुविधा

टिकट काउंटर पर कैशलेस ट्रांजैक्शन के लिए प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें

स्वच्छ रेल – स्वच्छ भारत

- 'रेल मदद' एप का शुभारंभ
- सभी नामांकित ट्रेनों पर स्वच्छ बिस्तरों का प्रावधान
- 'प्रोजेक्ट स्वर्ण' के तहत विस्तारित यात्री सुविधाओं के साथ सभी एनआर आधारित राजधानी एवं शताब्दी कोच का उन्नयन
- 'प्रोजेक्ट उत्कृष्ट' के तहत विस्तारित यात्री सुविधाओं के साथ सभी योग्य एनआर आधारित आईसीएफ कोच का उन्नयन
- भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष होने पर पूरे देश में ''आजादी का अमृत महोत्सव'' मनाया जा रहा है । इस परिप्रेक्ष्य में ''आजादी की रेल गाड़ी और स्टेशन'' की थीम के तहत स्वतंत्रता सेनानियों/उनके परिवारों द्वारा दो ट्रेनों यथा ट्रेन नं. 12954 अगस्त क्रांति एक्सप्रेस और ट्रेन नं. 15274 सत्याग्रह एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया। हजरत निजामुद्दीन और आनन्द विहार में आयोजित हेरीटेज फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से इन ट्रेनों के बारे में एतिहासिक तथ्य प्रदर्शित किये गये थे।

एनजेडएमः ट्रेन नं. 12954 (अगस्त क्रांति एक्सप्रेस)

- कोच की बाहरी धुलाई के लिए नई दिल्ली (राजधानी कॉम्प्लैक्स एवं डीएलटी कॉम्प्लैक्स), हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली सराय रोहिल्ला और आनन्द विहार में 05 ऑटोमैटिक कोच वाशिंग प्लांट का प्रावधान।

डीएलटी कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली में ऑटोमैटिक कोच वाशिंग प्लांट

हरित पहल

वर्ष 2009–14 के दौरान

- सौर ऊर्जा का प्रयोग
  - 10 kWp सोलर मॉडयूल स्थापित किये गये
- एलईडी लाइटें
  - शून्य

रूफटॉप सोलर पैनल युक्त कोच

वर्ष 2014–24 के दौरान

- सौर ऊर्जा का प्रयोग
  - 362 kWp सोलर मॉडयूल स्थापित किये गये
  - 81 लाख यूनिट की वार्षिक बचत जिसकी कीमत ₹ 517 लाख है
  - कार्बन उत्सर्जन में 7,225 टन की कमी
- 8 स्टेशनों और 10 सर्विस इमारतों में सोलर पैनल लगाए गए
- दिल्ली क्षेत्र में सभी 14 स्टेशनों पर एलईडी लाइटें लगाई गई (100% कवरेज)
- नई दिल्ली, हज़रत निज़ामुद्दीन, आनंद विहार, दिल्ली जंक्शन, दिल्ली कैंट, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली शाहदरा और तुगलकाबाद में 4.15 यूनिट की लागत पर पीपीपी आधार पर 6.4 मेगावाट सौर संयंत्र की कमीशनिंग
- दिल्ली क्षेत्र के 30 स्टेशनों पर अपशिष्ट प्रबंधन और संसाधन पुनर्प्राप्ति के लिए एक अभिनव अनुबंध प्रदान किया गया है जिससे कचरे को गीले और सूखे कचरे में अलग करने और खाद बनाकर सभी गीले कचरे का शोधन सुनिश्चित करने के लिए 5 वर्षों हेतु लगभग 5 मिलियन गैर–किराया राजस्व (एनएफआर) अर्जन

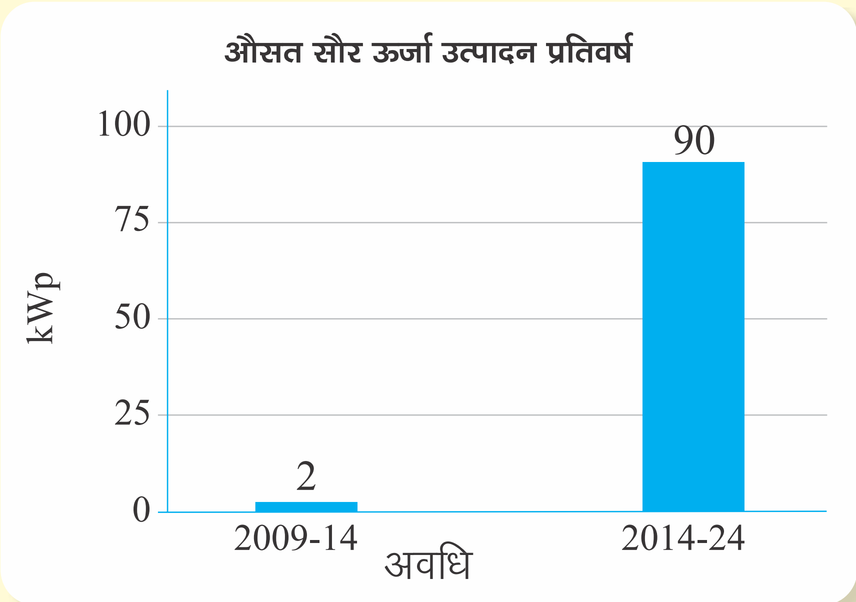

कोविड–19 : यात्री केन्द्रित सेवाएं

श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां

❖ कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, छात्रों और अन्य लोगों को उनके घर तक पहुँचाने के लिए 254 श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गई

स्पेशल पैसेंजर रेलगाड़ियां

❖ दिल्ली क्षेत्र से 132 मेल/एक्सप्रेस, राजधानी व वर्क्समैन स्पेशल रेलगाड़ियाँ चलाई गई

कोविड–19 : परिसम्पत्तियों का अभिनव उपयोग

पीपीई किट, मास्क और सेनेटाइजर

- जगाधरी कारखाने ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों वाली पीपीई किट तैयार कीं जिन्हें डी.आर.डी.ई. ग्वालियर द्वारा अनुमोदित किया गया
- स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और फ्रंट लाइन कर्मचारियों के लिए बाजार मूल्य से आधे दाम पर 90 हजार से अधिक पीपीई किट तैयार की गईं
- जन वितरण के लिए घरेलू स्तर पर 834 लीटर सेनेटाइजर तैयार किया गया
- 75 हैंड्स फ्री वाशबेसिन लगाए गए
- 50 सम्पर्क रहित साबुन/सेनेटाइजर डिस्पेंसर लगाए गए
- तापमान मापने के लिए स्पर्श–रहित उपकरणों का विकास

आईसोलेशन कोच

कोविड–19 महामारी से निपटने और स्वास्थ्य ढाँचे को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पृथकवास सुविधाएं सृजित की गयीं

- गैर–वातानुकूलित रेल डिब्बों को आईसोलेशन वार्ड में बदला गया
- अर्ध–शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए लागत अनुकूल अंतरिम चिकित्सा सुविधा
- एक कोच में 16 रोगियों को उपचार हेतु रखने की सुविधा
- डिब्बे के एक ओर स्थित भारतीय ढंग वाले शौचालय को बाथरूम में बदला गया
- पैरामैडिक्स के लिए अलग जगह की व्यवस्था
- प्रत्येक कम्पार्टमैंट में अतिरिक्त बिजली के पोर्ट और पंखों की व्यवस्था
- ऑक्सीजन सिलेंडरों का प्रावधान

कोविड–19 : हैल्थ केयर

रेल डिब्बों को कोविड केयर सेंटर में बदलना

- दिल्ली क्षेत्र में 503 आईसोलेशन कोच लगाए गए
- अंतरिम हैल्थ केयर सुविधा
- कोरोना मरीजों के लिए 8048 बिस्तरों की उपलब्धता
- ये कोच कोविड केयर अस्पतालों के एक्सटेंशन के रूप में कार्य कर रहे हैं
- भारतीय रेलवे द्वारा पौष्टिक भोजन की व्यवस्था

कोविड–19 : हैल्थ केयर

शकूरबस्ती कोविड केयर सेंटर

- शकूरबस्ती रेलवे स्टेशन पर 50 आइसोलेशन कोच लगाए गए
- अब तक 590 रोगियों को उपचार हेतु भर्ती किया गया
- एक दिन में तीन बार उत्तम स्तर के भोजन की व्यवस्था
- सभी डिब्बों में अलार्म सिस्टम लगाये गये

कोविड–19 : मालभाड़ा परिचालन

फ्रेट ट्रेन्स

- 33.40 मिलियन टन फ्रेट लोडिंग
- राशन की दुकानों में वितरण करने के लिए 18.74 मिलियन टन खाद्यान विभिन्न राज्यों को भेजा गया
- 5000 टन क्षमता वाली जम्बो ट्रेन– अन्नपूर्णा, अम्बा और अंत्योदय का गठन।
- आवश्यक वसतुओ की अपूर्ति के लिए समय–सारणी बद्ध पार्श्रल और मालभाड़ा गाडियो का संच*ालन*
- आंध्र प्रदेश से दूध लेकर आने वाली स्पेशल 'दूध दूरंतों' रेलगाड़ी
- विभिन्न गंतव्यों के लिए 24 पार्सल कार्गो एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का संचालन
- ई–कॉमर्स कम्पनी अमेजॉन को बंगलौर के लिए 24 टन पार्सल वैन लीज़ पर उपलब्ध कराई गई
- ई–कॉमर्स ट्रैफिक के माध्यम से रु. 3.46 करोड़ रूपये का राजस्व अर्जित

फ्रेट बिजनेस डेवलेपमेंट यूनिटें (बी.डी.यू.)

- रेलवे के मालभाड़ा व्यापार को बढ़ाने के लिए मुख्यालय ओर मंडल स्तरों पर बी.डी.यू. की स्थापना
- उत्तर रेलवे के 44 माल गोदामों को नवीनीकरण के लिए चुना गया
- बी.डी.यू. प्रयासों के अंतर्गत गोनिआणा से दिल्ली किशनगंज होते हुये जीरीबाम (त्रिपुरा) तक पहली व्यापार माल स्पेशल पार्सल ट्रेन, जिससे रु. 94 लाख की आमदनी हुई।

गुड्स शेड में विस्तृत सुविधाएं प्रदान करना

- मध्यम और छोटे व्यापारियों की आवश्यकताओं के लिए समयबद्ध कुशल और कम दरों वाली तीव्र नामक रेल सेवा का संचालन
- व्यापार को सुगम बनाने के लिए डिजिटलाईजेशन को बढ़ावा

कोविड–19 : आधारभूत संरचनाओं के विकास को गति देते हुए

सेक्शनों की गति सीमा में वृद्धि

- नई दिल्ली–गाजियाबाद–चिपियाना बुजुर्ग सेक्शन (110 kmph से बढ़ाकर 130 kmph)
- नई दिल्ली–तुगलकाबाद सेक्शन (120 kmph से बढ़ाकर 130 kmph)
- दिल्ली जं0–साहिबाबाद सेक्शन (100 kmph से बढ़ाकर 110 kmph)
- नरवाना–कुरूक्षेत्र सेक्शन (100 kmph से बढ़ाकर 110 kmph)
- रेवाड़ी–अस्थल बोहर सेक्शन (100 kmph से बढ़ाकर 110 kmph)
- दिल्ली शाहदरा–टपरी सेक्शन (100 kmph से बढ़ाकर 110 kmph)

विद्युत कर्षण प्रणाली का रखरखाव

- 4572 रूट कि.मी. विद्युतीकृत ट्रेक ओएचई प्रणाली का रख–रखाव
- 1.47 रूट कि.मी. पुरानी और क्षतिग्रस्त तारों को बदला गया

कोविड–19 : आधारभूत संरचनाओं के विकास को गति देते हुए

ट्रैक की जांच एवं मरम्मत

पटरियों के नवीनीकरण के लिए अत्याधुनिक UNIMAT एवं टैंपिंग मशीनों का उपयोग

पुलों का पुनर्वास कार्य

विरासत का प्रदर्शन

माननीय पूर्व रेल राज्य मंत्री, श्री राजेन गोहेन 26 जनवरी, 2018 को भारत में सबसे पुराने स्टीम लोकोमोटिव, फेयरी क्वीन के हेरिटेज में भाग लेते हुए

राष्ट्रीय रेल संग्राहालय, नई दिल्ली

हेरीटेज स्टीम लोकोमोटिव 'आज़ाद'

नई दिल्ली
NEW DELHI
نئی دلی

दिल्ली
DELHI

भारतीय रेल • INDIAN RAILWAYS